मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 247 ■ मंगलवार, 24 दिसंबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक – हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

अल्लू अर्जुन के घर तोड़फोड़

3 माह में मनपा चुनाव के संकेत

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कार्यकर्ताओं को दिया संदेश
- भारतीय जनता पार्टी ने शुरू की तैयारियां
- सदस्यता पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

उल्हासनगर. विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. दिलचस्प बात यह है कि पिछले तीन साल से राज्य में कई चुनाव रुके हुए हैं और राजनीतिक दल 22 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाओं की सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं. हालांकि, सुनवाई 4 जनवरी को ही होने की संभावना है और मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने ये कहकर चुनाव को लेकर संकेत दे दिए हैं कि तीन महीने के अंदर चुनाव कराने की कोशिश है.

नागपुर में बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. उस वक्त फड़णवीस ने 'मन की बात' पेश की थी. विधानसभा में जीत से कार्यकर्ताओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और बीजेपी के लिए 'अनुकूल' माहौल बना है. इसीलिए पार्टी ने इसका फायदा उठाकर स्थानीय महानगरपालिका चुनाव में जीत की योजना बनानी शुरू कर दी है. इसी को ध्यान में रखते हुए नवनियुक्त मंत्रियों और विधायकों की उपस्थिति में नागपुर में कार्यकर्ताओं के लिए सदस्यता पंजीकरण प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

विधानसभा में जीत से सरकार, जन प्रतिनिधियों और पार्टी पर जिम्मेदारी बढ़ गयी है. सभी से जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करने की अपेक्षा की जाती है। संगठन के जरिए सरकार और जनता के बीच समन्वय पर जोर दिया जाएगा. अगर तीनों के बीच सही तालमेल हो तो क्या हो सकता है ये विधानसभा के नतीजों से सामने आ गया है. फड़णवीस ने जोर देकर कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सचमुच चुनाव में जादूगर बन गए हैं।

■ हर बूथ पर 150 रजिस्ट्रेशन का 'लक्ष्य'

यदि आप स्थानीय निकायों में जीतना चाहते हैं तो आपको कुछ दिनों में सदस्यता पंजीकरण पर ध्यान देना होगा। प्रदेश में डेढ़ करोड़ सदस्यता दर्ज करायी जाये। प्रत्येक बूथ पर 150 सदस्यों के पंजीकरण का लक्ष्य होना चाहिए। फड़णवीस ने बताया कि अगर सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता 5 जनवरी को जनता के बीच जाएं और 50 लोगों का पंजीकरण करें, तो कुछ ही घंटों में 50 लाख का आंकड़ा हासिल किया जा सकता है। सभी प्रमुख पदाधिकारियों को सड़क पर उतरकर जनता के बीच जाना चाहिए. इस मौके पर फड़णवीस ने चेतावनी देते हुए कहा कि सिर्फ भाषण देकर दूसरों पर काम न थोपें. इस मौके पर मुख्य रूप से विधान परिषद सभापति प्रो. राम शिंदे,

बदलापुर में बंद रहा बेकरी व्यवसाय

- मूल्य वृद्धि के लिए बेकरीवालों का बंद
- शहर के 20 बेकरी वाले हड़ताल पर
- आज से ब्रेड महंगी हो जाएगी
- वडा पाव खाना अब होगा महंगा

बदलापुर. बदलापुर में बेकरी वालों का व्यवसाय आज पूरी तरह बंद रहा, इसलिए शहर में कहीं भी पाव नहीं मिली, वड़ा पाव और पाव सब्जी खाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कुलगांव बदलापुर बेकरी ओनर्स वेलफेअर एसोसिएशन ने चीनी, मैदा आदि बेकरी में लगने वाले सामानों के दरों में वृद्धि के विरोध इस बंद का आव्हान किया गया है। ज्ञात हो कि नए दरों के अनुसार बदलापुर व अन्य जगहों पर 24 दिसंबर से ब्रेड महंगी हो जाएगी। प्रति पाव लादी 3 रुपये दाम बढ़ाने का निर्णय लिया गया है. 24 तारीख से एक पाव की लादी के लिए अब 23 रुपये लगेंगे. पहले यह दर 20 रुपये था.

प्रतिदिन तैयार होते हैं 20 हजार पाव

बदलापुर में 20 बेकरियां हैं और जहां प्रतिदिन 20,000 पाव तैयार की जाती हैं। इस बंद का असर शहर के परिसर के शहर व गांव में देखने को मिलेगा। उल्हासनगर व अंबरनाथ में भी दरों में वृद्धि की जा रही है।

उल्हासनगर में गावठी शराब जब्त

उल्हासनगर. हिललाइन पुलिस स्टेशन की वसारगांव सीमा में गावठी शराब बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले गुड़ नवसागर मिश्रित रसायन 1,500 लीटर जब्त किया गया।

इस मामले में अविनाश रमेश वायले के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस को वसारगांव के नाले के पास झाड़ी में शराब का अड्डा होने की सूचना मिली थी. पुलिस ने शनिवार दोपहर 3 बजे वहां छापा मारा और गावठी शराब बनाने के लिए गुड़ और नवागार मिश्रित 1500 लीटर केमिकल वॉश जब्त कर लिया.

पुलिस ने इस मामले में अविनाश रमेश वायले के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस ने बताया कि गावठी शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायन पहले भी यहां मिल चुके हैं।

उल्हासनगर में प्रसिद्ध बिल्डर राजा गेमनानी से 1 करोड़ हफ्ते की मांग

- गेमनानी ने की मुख्यमंत्री फडणवीस से शिकायत

उल्हासनगर. शहर के एक बिल्डर और एक राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारी राजा गेमनानी से कुछ लोगों ने 1 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी है. गेमनानी ने इस तरह का शिकायती पत्र मुख्यमंत्री, गृह विभाग, पुलिस आयुक्त, उपायुक्त समेत अन्य को दिया है, जिससे हड़कंप मच गया है.

गौरतलब हो कि कोविड महामारी के दौरान उल्हासनगर में निर्माण व्यवसाय लगभग ठप हो गया था. हालांकि पिछले कुछ महीनों से निर्माण व्यवसाय में कुछ तेजी आई है लेकिन ग्राहकों ने अभी भी इससे मुंह मोड़ लिया है, इमारतें पूरी तरह से खाली पड़ी हैं और इस वजह से बिल्डर-डेवलपर हताश हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर यह बात सामने आई है कि कुछ असामाजिक तत्व 'सूचना का अधिकार' के तहत निर्माण संबंधी सूचनाएं एकत्र करते हैं और बिल्डरों से बड़ी मात्रा में रंगदारी वसूलते हैं।

गांधी रोड, उल्हासनगर कैंप नंबर 5 में रहने वाले जाने-माने बिल्डर राजा गेमनानी ने अपने शिकायती पत्र में कहा है कि कुछ सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी आरटीआई के तहत बांधकाम की जानकारी लेकर पुणे संचालक नगर रचना विभाग, कोंकण आयुक्त एवं उल्हासनगर मनपा नगर रचना विभाग में झूठी शिकायत की है और अधिकारियों पर जांच करने का दबाव डाला है. फिर किसी दलाल के माध्यम से समझौते के लिए दबाव डालकर एक करोड़ रुपये की मांग की गयी है. पैसे न देने पर मंत्रालय में शिकायत करने और निर्माण तोड़ने की धमकी दे रहे हैं। इस धमकी से गेमनानी परिवार चिंतित है.

■ आरटीआई के तहत जानकारी मांगकर ब्लैकमेलिंग करने वाले सक्रिय

गेमनानी ने कहा कि शहर के कई निर्माण श्रमिकों को इस समूह द्वारा ब्लैकमेल किया जा रहा है। लेकिन बिल्डर अपने निर्माण को बचाने के लिए शिकायत करने आगे नहीं आता। गेमनानी ने अपनी शिकायत में कुछ लोगों का नाम लिया है. गेमनानी की शिकायत से शहर में सनसनी फैल गई है और अब निर्माण पेशेवर ब्लैकमेलिंग समूह के खिलाफ एकजुट हो गए हैं और उन सभी ने गेमनानी का समर्थन किया है। कुछ दिन पहले शहर के बिल्डरों ने मनपा आयुक्त ढाकने से शिकायत की थी कि कुछ मंडलियां सूचनाओं के आधार पर बिल्डरों को ब्लैकमेल कर रही हैं.

उल्हासनगर में अनाधिकृत नल कनेक्शन पर कार्रवाई

उल्हासनगर. मनपा आयुक्त विकास ढाकने ने पानी की कमी को दूर करने के लिए अनधिकृत नलों के खिलाफ कार्रवाई करने का फैसला किया है। आयुक्त के निर्णय से पाइपलाइन पर लगे अनाधिकृत नलों को काटने की कार्रवाई की गयी है. कमिश्नर ने पानी का रिसाव रोकने के भी आदेश दिए हैं।

उल्हासनगर पूर्व के मुख्य जल आपूर्ति पाइपलाइन पर पाले टैपिंग पॉइंट गायकवाड़ पाड़ा क्षेत्र में एक इंच के कुल 22 अनधिकृत नल कनेक्शन पहले तोड़े गए थे। फिर शुक्रवार को जलापूर्ति विभाग की टीम ने शेष 24 अनाधिकृत नल कनेक्शन तोड़ने की कार्रवाई की. ढाकने ने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति अनाधिकृत नल को मुख्य पाइप लाइन से जोड़ता है, तो उस व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता परमेश्वर बडगे, उप अभियंता दीपक ढोले, उप अभियंता अशोक घुले, कनिष्ठ अभियंता अश्विन राठौड़ और दक्षिण क्षेत्र उप-विभाग के कर्मचारियों के आदेश पर पाइप कनेक्शन काटा गया है।

शिवमार्केट में कई दोमंजिला अवैध दुकानों का निर्माण

- कार्रवाई करने की मांग

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम शिव मार्केट, जो कि नपा की मिल्कियत है, यहां पर नपा किराये के दुकानदारों ने मनमानी करते हुए नगर परिषद की मिलीभगत से अवैध दोमंजिला दुकानें बना ली हैं. खास बात ये है कि इन दुकानदारों ने कई वर्षों से लाखों रुपए किराया नगर परिषद को नहीं भरा है. नपा प्रशासन को ये जानकारी होते हुए भी गृहकर विभाग द्वारा टैक्स पावती दूसरे के नाम पर ट्रांसफर भी कर दी गई है.

समाजसेवक फारुक शेख ने जिलाधिकारी एवं मुख्याधिकारी को लिखित शिकायत करके इन अवैध बांधकाम को ध्वस्त करने की मांग की है. इन अवैध बांधकामों के फोटो भी उन्होंने जिलाधिकारी को भेजे हैं. शिव मार्केट गली नं. 3 में उमेदमल ज्वेलर्स ने नपा से किसी भी प्रकार की अनुमति लिए बिना 25x30 के पुराने दुकान की दीवार के ऊपर डबल मंजिला बांधकाम किया है. ये बांधकाम कभी भी गिरकर किसी की भी जान ले सकता है. इसलिए इस बांधकाम को एवं बाजू की गली में एक होटल को तोड़कर बनाए गए अवैध डबल मंजिले दुकान को तोड़ने की मांग फारुक ने की है.

और भी कई अवैध डबल मंजिला एवं आरसीसी का बांधकाम यहां पर शुरू है. उन्होंने पत्र में ये भी लिखा है कि अगर इसी तरह से नपा की अनुमति बिना अवैध डबल मंजिला बांधकाम होते रहे तो शिव मार्केट में अवैध निर्माणों की बाढ़ आ जाएगी.

उमनपा ने अमेरिकन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट कॉन्फ्रेंस में लिया हिस्सा

उल्हासनगर. चौथे अमेरिकन कंक्रीट इंस्टीट्यूट आर.एन. रायकर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और संगोष्ठी में उल्हासनगर महानगरपालिका टीम की भागीदारी के लिए आयुक्त विकास ढाकने को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया है।

कंक्रीट में उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा भारतीय अध्याय पर घोष-मुखर्जी संगोष्ठी का आयोजन मुंबई के एक पांच सितारा होटल में किया गया। अमेरिकन कंक्रीट इंस्टीट्यूट के भारतीय अध्याय में मनपा की भागीदारी ने प्रतिनिधियों को भविष्य के विकास को समझने में सक्षम बनाया। शहर के बारे में जानकारी और कार्बन उत्सर्जन पर इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव। उन्होंने यह भी जाना कि प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करके शहरों के विकास और वैश्विक स्थिरता के संबंध में दुनिया भर में क्या हो रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इस संगोष्ठी में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि भविष्य में शहर का सतत विकास कैसे किया जा सकता है और इस पर चर्चा की गई। आईसीसीआई सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. एस.के. मांजरेकर ने सम्मेलन और संगोष्ठी में भाग लेने के लिए उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त ढाकणे और उनकी पूरी टीम को को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर आयुक्त विकास ढाकने, अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर, किशोर गवस, सहायक निदेशक नगरीय नियोजन ललित खोब्रागड़े, मुख्य लेखाकार किरण भिलारे, मुख्य लेखा परीक्षक शरद देशमुख, नगर अभियंता तरुण शेवकानी, अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता हनुमंत खरात तथा मनपा सलाहकार अनिरुद्ध नखवा उपस्थित थे।

उल्हासनगर मनपा के रडार पर अनधिकृत पार्किंग

- यातायात प्रबंधन के लिए एक व्यापक योजना
- नये साल में शुरू होगी कार्रवाई

उल्हासनगर. ट्रैफिक जाम, अनाधिकृत रिक्शा स्टैंड और अवैध पार्किंग जैसी समस्याओं से जूझ रहे उल्हासनगर शहर को राहत देने के लिए उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने ठोस कदम उठाया है। मनपा प्रशासक एवं आयुक्त विकास ढाकने और विधायक कुमार आयलानी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई. विभिन्न अधिकारियों की मौजूदगी में यातायात सुधार अभियान को लेकर अहम फैसले लिये गये, जिससे शहर की परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है.

उल्हासनगर शहर की मुख्य सड़कों और चौराहों पर अनधिकृत रिक्शा स्टैंडों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए यातायात पुलिस, स्थानीय पुलिस और मनपा अधिकारियों की एक समिति बनाई जाएगी। यह कमेटी हर सप्ताह बैठक कर कार्रवाई की दिशा तय करेगी। नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक करने के लिए होर्डिंग्स एवं रील प्रदर्शित किये जायेंगे। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 1 जनवरी 2025 से सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी.

मुख्य मार्गों पर पीली व सफेद पट्टियां अंकित की जाएंगी। 'नो पार्किंग' समेत अन्य संकेत फलक लगाना, भारी वाहनों के लिए निर्धारित समय की तैयारी, सड़क नवीनीकरण और भूमिगत सीवरेज योजनाओं के लिए बैरिकेडिंग, सुरक्षा बेल्ट लगाने और संबंधित ठेकेदारों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बस स्टॉप पर खड़े होने वाले रिक्शे, विवाह भवन और बड़े होटलों के बाहर अवैध पार्किंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। भीड़भाड़ वाले चौराहों (पीक आवर्स) पर यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक वार्डन की नियुक्ति की जाएगी। साथ ही, यातायात विभाग के परामर्श से दुर्घटना संभावित क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) पर कार्रवाई की योजना बनाई जाएगी। इन सड़कों पर अतिक्रमण हटाने, डिवाइडर निर्माण, लाइटिंग, रोड लेन मार्किंग, जेब्रा क्रॉसिंग मार्किंग और वृक्षारोपण जैसे काम तीन महीने में पूरा करने की योजना है।

इस अहम बैठक में उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुमार आयलानी, यातायात शाखा ठाणे के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट, परिमंडल 4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे, अतिरिक्त मनपा आयुक्त किशोर गवस, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात शाखा विजय पोवार, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक यातायात शाखा अविनाश भामरे, सुखदेव पाटिल, कल्याण मोटर वाहन निरीक्षक-उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बालाजी बोंदरवाड और मनपा की सभी वार्ड समितियों के सहायक आयुक्त उपस्थित थे।

5 सड़कें जो मॉडल सड़कों के रूप में विकसित होंगी

1. कल्याण-अंबरनाथ रोड (3 किमी)
2. डॉल्फिन रोड (1 किमी)
3. वीटीसी रोड (2 किमी)
4. मुरबाड रोड (1.68 किमी)
5. श्री राम चौक से सेक्शन 17 रोड (0.78 किमी)

बांग्लादेशियों का पता लगाने सर्च अभियान तेज

- उल्हासनगर से 1 व भिवंडी से 8 गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर अपराध शाखा की पुलिस को एक गुप्त मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि एक बांग्लादेशी नागरिक विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर आशेले पाड़ा, विठ्ठलवाड़ी पूर्व में रह रहा है। गयाशुद्दीन उम्र 28 साल, पेशा महिला वेटर बांग्लादेशी महिला मिली। उससे की गई पूछताछ में पता चला कि उक्त महिला बांग्लादेशी नागरिक है। उनके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस कर रही है। शहर में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे हैं वो सब अब पुलिस की रडार पर है।

वहीं दूसरी ओर आतंकवाद निरोधी दस्ते की मुंबई इकाई को सूचना मिली कि भिवंडी के काल्हेर, पूर्णा, केवनी दिवा गांवों में बांग्लादेशी रह रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर टीम ने सुबुज शेख (30), हैदर शेख (42), जमाल शेख (42) और मोहम्मद मोर्शेद शेख (26) को गिरफ्तार कर लिया. उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। वह इसी इलाके में रहता था और राजमिस्त्री और नल की मरम्मत का काम करता था. आतंकवाद निरोधी दस्ते द्वारा नारपोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

दूसरा मामला कोनगांव इलाके का है. ठाणे अपराध जांच शाखा की भिवंडी यूनिट को सूचना मिली थी कि कोनगांव में एक बांग्लादेशी रह रहा है. इस जानकारी के मुताबिक टीम ने इस इलाके से रफीक शेख (41), महमूदुल शेख (22), अंसार चौधरी (35) और एक 33 साल की महिला को गिरफ्तार किया. महिला को छोड़कर बाकी तीनों कबाड़ बेचने का कारोबार करते थे। जब उससे पूछताछ की गई तो उसने स्वीकार किया कि वह अवैध रूप से भारत में घुसा था. उसके खिलाफ कोनगांव थाने में मामला दर्ज किया गया है और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है.

रेलवे क्रासिंग करते समय मालगाड़ी का धक्का लगने से मौत

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ रेलवे स्टेशन के पास स्वामी नगर निवासी एक 57 वर्षीय व्यक्ति की मालगाड़ी का धक्का लगने से मौत हो गई है. व्यक्ति का नाम मारीमुत्तु पिचिकरण है, जो शहर पूर्व में एक टेलरिंग शॉप चलाता है. वह सोमवार दोपहर में दुकान से घर आया और दोपहर का भोजन करके वह स्वामी नगर के पास रेलवे लाइन क्रास करके पूर्व में अपनी दुकान पर वापस जा रहा था. इसी दौरान वह मालगाड़ी की चपेट में आ गया. उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई.

अंबरनाथ नपा का मुफ्त मेडिकल कैम्प

- 1200 लोगों ने उठाया लाभ
- विधायक किणीकर ने किया उद्घाटन

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा स्वामी नगर के पास मैदान में संपन्न हुए मुफ्त मेडिकल चेकअप कैम्प से 1200 लोगों ने लाभ उठाया है. इस कैम्प का उद्घाटन सोमवार सुबह में विधायक डॉ. बालाजी किणीकर ने किया. पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख के सहकार्य से यहां ये मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया था. मुख्याधिकारी अभिषेक पराडकर ने भी कैम्प का दौरा करके डॉक्टरों से बातचीत करके कैम्प का जायजा लिया.

मुख्याधिकारी ने पत्रकारों को बताया कि गत 9 वर्षों से यहां पर नपा द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने बताया इस परिसर में सामान्य लोग रहते हैं. उनके सेहत का ध्यान रखने के लिए कैम्प का आयोजन किया जाता है. अब्दुल शेख ने बताया कि यहां पर स्वामी नगर, शास्त्रीनगर, सिद्धार्थ नगर, गांधी नगर में सफाई मजदूर एवं मजदूर ज्यादा रहते हैं. इसीजी, नेत्र जांच करके मुफ्त में चश्मे, डॉक्टरों की कन्सल्टिंग एवं एचआईवी टेस्टिंग भी यहां की जा रही है. इस कैम्प में शहर के डॉक्टरों के साथ इंडियन मेडिकल एसो. अंबरनाथ मेडिकल एसो. जनरल प्रैक्टिस एसो. हरने मेडिकल कॉलेज का स्टाफ, नगर परिषद स्टाफ ने सेवा दी है. मेडिकल कैम्प बहुत ज्यादा सफल रहा. चेकअप कराने के लिए महिलाएं युवक पुरुषों की भीड़ लग गई थी.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

लापरवाहियों का नतीजा होता है हादसा

राजस्थान के जयपुर में शुक्रवार को एक ट्रक और टैंकर में टक्कर की वजह से भयावह हादसा हो गया। अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक पेट्रोल पंप के नजदीक एलपीजी गैस से भरे टैंकर और रसायनों से लदे ट्रक में हुई टक्कर के बाद तेज धमाके के साथ वहां करीब तीन सौ मीटर के दायरे में आग लग गई। इस घटना की भयावहता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि आग की चपेट में चालीस से ज्यादा गाड़ियां आ गई, उसमें ग्यारह लोगों की जान चली गई और चालीस से ज्यादा लोग बुरी तरह झुलस गए।

कई पूरी तरह जल गए लोगों की सिर्फ हड्डियां मिल सकीं। हादसे के बाद सरकार ने राहत के तौर पर मुआवजे की घोषणा कर दी, लेकिन सवाल है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या उपाय किए जाते हैं, ताकि इतने बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन से खिलवाड़ न हो! इस दुर्घटना को जयपुर में अब तक के सबसे बड़े हादसों में से एक माना जा रहा है, लेकिन यही बात शहर की यातायात व्यवस्था पर एक सवालिया निशान है।

यह सही है कि कोई भी हादसा गलतियों या लापरवाहियों का नतीजा होता है, मगर यातायात प्रबंधन महकमे की यह जिम्मेदारी होती है कि वह वाहनों की आवाजाही के लिए नियम-कायदों से लेकर उस पर अमल के साथ-साथ वाहनों के सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर चौकस रहे। गलत तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए, ताकि सड़क पर वाहन चालक रफ्तार, लेन और अन्य मामले में नियमों का पालन करने को लेकर स्वतः सतर्क हों।

अगर सड़कों पर वाहन चलाने को लेकर मौजूदा नियमों पर अमल को ही पूरी तरह सुनिश्चित कर लिया जाए, तो हादसे की गुंजाइश को बहुत कम या खत्म किया जा सकता है। विडंबना यह है कि एक ओर कई चालक सुरक्षित तरीके से गाड़ी चलाने के प्रति लापरवाही बरतते हैं, वहीं यातायात महकमा और सरकार भी तब तक आंखें मूंदे रहती है, जब तक कोई बड़ा हादसा नहीं हो जाता। यह बेवजह नहीं है कि सड़कों पर हादसों का सिलसिला जारी रहता है और सरकारें सिर्फ मुआवजा देने को अपनी जिम्मेदारी मान कर निश्चिंत हो जाती हैं।

सक्रिय हों राज्य, सुधारों पर कदम बढ़ाने चाहिए

आधुनिक काल में गवर्नेंस से आशय केवल नियमों एवं नियमनों के प्रबंधन तक सीमित न रहकर व्यक्तियों एवं उद्यमियों के लिए एक अनुकूल परिवेश तैयार करने तक विस्तारित हो गया है। मोदी सरकार इस दिशा में आरंभ से ही गंभीरता के साथ सक्रिय रही है। जन विश्वास अधिनियम, 2023 इसका ही एक उदाहरण है, जिसे प्रस्तावित जन विश्वास विधेयक 2.0 से नए आयाम दिए जाने की तैयारी है। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से पहले ही 40 से अधिक आपराधिक प्रविधानों को हटाकर उनके स्थान पर कुछ आर्थिक हर्जाने और अपेक्षाकृत सुगम अनुपालनों की व्यवस्था की जा चुकी है। जन विश्वास अधिनियम 2.0 इस विजन को और आगे ले जाता है, जिसमें ऐसा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिसमें नागरिकों एवं कारोबारियों को विरोधी के बजाय सहयोगी के रूप में देखने की मंशा है।

शासन संबंधी ऐसे सुधार लालफीताशाही से मुक्ति दिलाने से परे तमाम मूर्त एवं अमूर्त फायदों का माध्यम भी बनते हैं। सबसे पहला लाभ तो यही कि ये अनुपालन आवश्यकताओं के बोझ को हटाकर उद्यमों को नवाचार एवं वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने में सहायक बनकर आर्थिक उत्पादकता को बढ़ाते हैं। खासतौर से छोटे उद्यमों एवं स्टार्टअप्स के लिए इन पहलुओं की बहुत उपयोगिता है, क्योंकि अक्सर उन्हें नियामकीय बाधाओं से दो-चार होना पड़ता है। दूसरा, नियमों के सुगम बनने से सरकार द्वारा उद्यमिता को प्रोत्साहन, आर्थिकी

का विविधीकरण और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जाता है। तीसरा, छोटे-मोटे मामले अदालती दायरे से बाहर ही सुलझ जाते हैं, जिससे न्याय की प्रक्रिया पर बोझ घटने से उसकी गति तेज होती है। चौथा लाभ यही कि इससे सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे की बुनियाद मजबूत होती है कि सरकार उन्हें दंडित करने से अधिक उनकी साझेदारी को महत्व देती है।

इन सुधारों के अमूर्त लाभ भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जिस गवर्नेंस माडल में अनावश्यक रूप से दंडित करने की भावना नहीं होती, उसमें नागरिकों एवं उद्यमों के भीतर अपने कार्यों की जिम्मेदारी का दायित्वबोध बढ़ता है। इससे विश्वास एवं परस्पर जवाबदेही की संस्कृति विकसित होती है, जो न केवल लोकतंत्र को सशक्त, अपितु एक सामंजस्यपूर्ण समाज का निर्माण करती है। जब नियामकीय मोर्चे पर बोझ घटता है और सहयोग-समन्वय पर जोर होता है तो इसके माध्यम से सरकार उस बुनियाद को ही मजबूत करती है, जिसमें नागरिक और उद्यम नवाचार, वृद्धि और समग्र बेहतरी पर ध्यान देने में सक्षम होते हैं। परिणामस्वरूप राष्ट्रीय प्रगति को तेजी के पंख लगते हैं। जहां केंद्र सरकार नियामकीय बोझ घटाने और विश्वास आधारित गवर्नेंस ढांचे को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है तो राज्य सरकारों को भी ऐसे सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए। आखिरकार रोजमर्रा के कई मामलों में नागरिकों और उद्यमों का केंद्र के बजाय स्थानीय निकाय और राज्य सरकारों के साथ कहीं ज्यादा सरोकार जुड़ा होता है। चाहे परमिट लेना हो, विवादों का समाधान हो, या आवश्यक लोक सेवाओं तक पहुंच जैसे काम मुख्यतः स्थानीय निकाय और राज्य सरकार के स्तर पर ही संपादित होते हैं। असल में चाहे जीवन की सुगमता हो या कारोबारों के लिए सुगम परिवेश बनाने से जुड़ी पहल तभी सफल हो सकती हैं जब शीर्ष से लेकर जमीनी स्तर पर उन्हें उचित रूप से क्रियान्वित किया जा सके। व्यक्तियों और उद्यमों को जिन सबसे प्रमुख अवरोधों से जूझना पड़ता है उन्हें दूर करने की कुंजी मुख्य रूप से राज्य सरकारों के पास होती है। सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता, गवर्नेंस की सक्षमता और जीवन एवं उद्यम को सही दिशा में उन्मुख करने से संबंधित अधिकांश पहलू इन्हीं स्तरों पर प्रभावित होते हैं। इसलिए राज्य और स्थानीय निकायों को अपनी जिम्मेदारियां समझकर सार्थक पहल एवं क्रियान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रभु का आत्मा के लिए प्रेम अनंत है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

महीने के अंत तक भरी जाएंगी मेडिकल सीट

भारत में चिकित्सकों की कमी को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इसे रेखांकित किया है। दरअसल, अदालत ने मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में खाली पड़ी सीटों को भरने का निर्देश देते हुए कहा कि देश में डाक्टरों की पहले ही इतनी कमी है, उसमें सीटें बर्बाद नहीं जानी चाहिए। इस महीने के अंत तक काउंसिलिंग करा कर उन सीटों को भरा जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दुर्दशा पर जब-तब सवाल उठते रहते हैं।

लगभग सभी अस्पतालों में चिकित्सकों के बड़ी संख्या में पद खाली पड़े हैं। इस मामले में ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों की दशा सबसे खराब है। सरकार ने खुद स्वीकार किया था कि मार्च 2022 तक ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सर्जन, चिकित्सकों, स्त्री रोग विशेषज्ञों और बाल रोग विशेषज्ञों की लगभग अस्सी फीसद कमी थी। यूनेस्को भी कई बार बता चुका है कि भारत में एक हजार लोगों पर एक से भी कम चिकित्सक हैं। ऐसी स्थिति में, अगर चिकित्सक तैयार ही नहीं होंगे, तो इस कमी को पूरा कैसे किया जा सकेगा। हालांकि सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की कमी के अन्य कई कारण भी स्पष्ट हैं।

पहले तर्क दिया जाता था कि हमारे यहां इसलिए जरूरत के मुताबिक योग्य चिकित्सक नहीं तैयार हो पा रहे कि मेडिकल कालेजों में सीटें बहुत कम हैं। इसके मद्देनजर कुछ नए कालेज खोले गए और सभी कालेजों में सीटें बढ़ा दी गईं। इस तरह पिछले दस वर्षों में चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें बढ़ कर

करीब दोगुनी हो गई हैं।

इसके अलावा हर वर्ष हजारों विद्यार्थी विदेशी संस्थानों से पढ़ाई करके वापस लौटते हैं। फिर, निजी अस्पतालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनमें चिकित्सकों की कमी नजर नहीं आती। सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों और अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी की बड़ी वजह उनमें भर्तियों पर गंभीरता से ध्यान न दिया जाना है।

ग्रामीण इलाकों में चिकित्सकों की कमी दूर करने के मकसद से नियम बनाया गया था कि चिकित्सा की पढ़ाई के बाद हर डाक्टर को कम से कम एक वर्ष ग्रामीण इलाकों में जाकर सेवा देनी होगी, मगर उस नियम का गंभीरता से पालन नहीं हो पाता। हर डाक्टर शहर में रहना चाहता है। वहां उसे कमाई के अधिक मौके नजर आते हैं। इन स्थितियों में शीर्ष अदालत की टिप्पणी को न केवल मेडिकल कालेजों में खाली पड़ी सीटों, बल्कि व्यापक अर्थ में लेने की जरूरत है। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर इसीलिए अधिक संघर्ष देखा जाता है कि वहां से निकलने के बाद युवाओं को एक तरह से रोजगार की गारंटी होती है। वे निजी तौर पर भी अपना चिकित्सालय खोल कर अच्छी कमाई कर लेते हैं। मगर चिंता उस बहुसंख्यक आबादी तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने को लेकर है, जो अपने इलाज पर पैसे खर्च कर पाने में सक्षम नहीं है। फिर, बहुत सारे योग्य चिकित्सक बेहतर वेतन और सुविधाओं के मोह में दूसरे देशों का रुख कर लेते हैं।

यही वजह है कि अनेक रोगों के विशेषज्ञों की भारी कमी बनी हुई है। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान की कमी को लेकर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। ऐसा भी नहीं कि ये सारे पहलू सरकारों की नजर से ओझल हैं, मगर तमाम दावों के बावजूद चिकित्सकों की कमी को दूर करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों में सुविधाएं बेहतर करने आदि को लेकर उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा पा रहे। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

गुजारा भत्ता के 80 हजार के चिल्लर लेकर पहुंचा शख्स!

जरा हट के

जब से अतुल सुभाष और निकिता सिंघानिया के मामले ने तूल पकड़ा है, तब से ही खबरों में तलाक और एलिमनी के चर्चे दोबारा होने लगे हैं. जब पति-पत्नी का तलाक होता है तो पति को गुजारा-भत्ता के रूप में अपनी बीवी को हर महीने एलिमनी देना पड़ता है. अक्सर इस अमाउंट को लेकर दोनों पक्षों में विवाद छिड़ जाता है. हाल ही में एलिमनी से जुड़ी ऐसी ही एक खबर ने सभी को हैरान कर दिया. इन दिनों कोयंबटूर का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स अपनी बीवी को गुजारा भत्ता देने के लिए थैले में 80 हजार रुपये के चिल्लर लेकर कोर्ट पहुंचा है.

मिंट वेबसाइट की रिपोर्ट के मुताबिक इन दिनों कोयंबटूर के एक शख्स का वीडियो वायरल हो रहा है, जो कोर्ट में थैला भर के चिल्लर लेकर पहुंचा है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार ये घटना बुधवार को

तमिलनाडु के फैमिली कोर्ट में घटी. 37 साल का एक टैक्सी ड्राइवर अपनी बीवी से अलग हो रहा था. 1 साल पहले उसकी बीवी ने तलाक के लिए अर्जी डाली थी. कोर्ट ने अंतरिम मेंटेनेंस अमाउंट के रूप में बीवी को 2 लाख रुपये एलिमनी देने को कहा था.

कोर्ट में शख्स ने जमा किए चिल्लर

कोर्ट की बात मानकर शख्स ने फैसला किया था कि वो अगली सुनवाई को वो पैसे लेकर जाएगा, पर उसने एलिमनी की रकम देने का अनोखा तरीका सोचा. वो कोर्ट में दो सफेद थैलों में 2 लाख रुपयों में से 80 हजार रुपये चिल्लर लेकर पहुंच गया. ये 1 और 2 रुपये के सिक्के थे. हालांकि, जज को शख्स की ये हरकत ठीक नहीं लगी और उन्होंने शख्स को नोट के साथ लौटने को कहा. अगले दिन शख्स ने सिक्कों को नोट में बदला और कोर्ट में जमा किया.

इंस्टाग्राम अकाउंट @voiceformenind पर ये वीडियो पोस्ट किया गया है. कई लोगों ने घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. कई लोगों ने कोर्ट के आदेश को गलत बताते हुए कहा कि सिक्के कानूनी तौर पर मान्य हैं, शख्स उसे दे सकता है.

अक्सर होने वाले सिरदर्द को न करें अनदेखा

- **हर साल 2.5 लाख से अधिक लोगों की जान ले रही है ये बीमारी,**

साल 2020 में ब्रेन ट्यूमर और इसके कारण होने वाले कैंसर से 2.46 लाख लोगों की मौत हो गई। डॉक्टर बताते हैं, हो सकता है कि ब्रेन ट्यूमर होने के बावजूद भी आपको कई वर्षों तक इस बारे में पता ही न चले। कई मामलों में ट्यूमर का विकास इतनी धीमी गति से होता है कि इसके लक्षण नजर ही नहीं आते हैं। इस स्थिति में जरूरी है कि आप कुछ सामान्य संकेतों पर गंभीरता से ध्यान देते रहें। यही कारण है कि डॉक्टर अक्सर होने वाले सिरदर्द को अनदेखा न करने की सलाह देते हैं।

आइए जानते हैं कि कैसे पता लगाया जा सकता है कि कहीं आपको ब्रेन ट्यूमर तो नहीं है?

ब्रेन ट्यूमर के बारे में जानिए

ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों के बारे में जानने से पहले ये समझ लेना आवश्यक है कि आखिर ब्रेन ट्यूमर होता क्या है?

ब्रेन ट्यूमर, मस्तिष्क में या उसके आस-पास की कोशिकाओं में अनियंत्रित वृद्धि के कारण होता है। ये कैंसर कारक भी हो सकता है। अध्ययनों से पता चलता है कि मस्तिष्क में 120 से अधिक विभिन्न प्रकार के ट्यूमर विकसित हो सकते हैं। यदि परिवार में किसी को ब्रेन ट्यूमर हुआ हो तो अन्य लोगों को भी सावधान रहने की सलाह दी जाती है।इसके अलावा प्लास्टिक और रसायन उद्योग में काम करने वाले लोगों में भी इसका खतरा हो सकता है।

आनुवांशिकता के साथ लाइफस्टाइल-आहार में गड़बड़ी के साथ कई तरह की पर्यावरणीय स्थितियों के कारण आप इस गंभीर समस्या का शिकार हो सकते हैं?

ब्रेन ट्यूमर के लक्षणों के बारे में भी जानिए

जिन लोगों को ब्रेन में ट्यूमर की समस्या होती है उन्हें कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम रहता है और इसके कई तरह के लक्षण हो सकते हैं।

- सिर में दर्द या दबाव जो सुबह के समय ज़्यादा होता है।
- बार-बार होता है और ज्यादा गंभीर रूप से होने वाला सिरदर्द।
- मतली या उल्टी जैसा महसूस होना।
- आंखों की समस्याएं, जैसे कि धुंधला दिखाई देना, दोहरी दृष्टि।
- हाथ या पैर में संवेदना या गति कम हो जाना।
- शारीरिक संतुलन और बोलने में कठिनाई महसूस होना।
- समय के साथ याददाश्त संबंधी समस्याएं होना।
- अक्सर चक्कर आना या ऐसा महसूस होना कि दुनिया घूम रही है।

आपको भी तो नहीं होता है अक्सर सिरदर्द

डॉक्टर बताते हैं, ब्रेन ट्यूमर की स्थिति में आपको कई प्रकार की दिक्कतें होती रह सकती हैं, सिरदर्द होना इसका सबसे आम संकेत है। डॉक्टर कहते हैं, सिर में दर्द या दबाव जो सुबह के समय ज्यादा बढ़ जाता है या अक्सर बने रहने वाला सिरदर्द कई मामलों में ब्रेन ट्यूमर का संकेत हो सकता है। अगर आपको भी इस तरह की दिक्कत रहती है तो डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

कई मामलों में लक्षण इस बात पर भी निर्भर करते हैं कि ब्रेन ट्यूमर कितनी तेजी से बढ़ रहा है? सिरदर्द होना इसका प्रारंभिक संकेत माना जाता है, इसे अनदेखा न करें।

चिली चीज टोस्ट

खाना-खजाना

बच्चों को तरह-तरह के स्नैक्स खाना पसंद होते हैं, वहीं वह टिफिन में हर दिन कुछ नया लेकर जाना चाहते हैं। ऐसे में आप उनको ब्रेड से बने टेस्टी स्नैक बनाकर दे सकते हैं। यहां हम चिली चीज टोस्ट बनाने का तरीका बता रहे हैं। आप इस टोस्ट को दो तरह से बना सकते हैं। देखिए इसे बनाने का तरीका। दोनों ही तरह से बना ये टोस्ट स्वाद में काफी अच्छा लगता है। देखिए इसे बनाने का तरीका।

रेसिपी 1

चिली चीज टोस्ट बनाने के लिए आपको चाहिए बटर, चीज स्लाइस, हरा, धनिया, लहसुन, चीज क्यूब्स, ऑरिगेनो, चिली फ्लैक्स और सैंडविच ब्रेड चाहिए।

इसे बनाने के लिए लहसुन को बारीक बारीक काट लें और फिर एक कटोरी में बटर, चीज क्यूब, लहसुन, ऑरिगेनो, चिली फ्लैक्स को एक साथ मिलाएं और एक बटर तैयार करें।

अब एक ब्रेड स्लाइस में चीज स्लाइस रखें और फिर ऑरिगेनो और चिली फ्लेक्स इस पर छिड़कें।

फिर दूसरे ब्रेड स्लाइस से कवर करें और फिर बनाएं हुए बटर को

ब्रेड पर लगाएं और सेक लें। फिर इसे काट कर सर्व करें।

रेसिपी 2

दूसरी तरह से चिली चीज टोस्ट बनाने के लिए आपको चाहिए ब्रेड स्लाइस, हरी मिर्च, दूध, हरी मिर्च, ऑरिगेनो, चिली फ्लेक्स, प्रोसेस्ड चीज। इस टोस्ट को बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में चीज को कद्दूकस करें और फिर इसमें दूध, चिली फ्लेक्स, हरी मिर्च, चिली फ्लेक्स और ऑरिगेनो को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब ब्रेड स्लाइस पर इस पेस्ट को लगाएं और फिर तवे को गर्म करें। अब इस पर बटर डालें और स्लाइस को रखें। अब ढक्कर पकाएं। क्रिस्पी होने तक पकाएं और फिर दो स्लाइस में काटें और सर्व करें।

दुनियाभर में क्रिसमस से जुड़े हैं 5 अजब-गजब रिवाज

25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जाता है। इस खास दिन का सेलिब्रेशन 24 दिसंबर से शुरू हो जाता है। क्रिसमस खुशियों का त्योहार है और इस खास दिन पर लोग एक दूसरे को तोहफा देकर खुश करते हैं। ये साल का आखिरी त्योहार है और इस त्योहार का इंतजार हर किसी को रहता है। दुनियाभर में इसे अलग-अलग तरह से सेलिब्रेट किया जाता है। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि दुनियाभर में क्रिसमस को लेकर अलग-अलग मान्यताएं, जिन्हें जानकर आप हैरान हो जाएंगे।

1) नॉर्वे में लोग क्रिसमस पर अपने घर के झाड़ू और पोंछे को छुपा देते हैं। इसे लेकर मान्यता है कि कोई बुरी आत्मा झाड़ू के द्वारा पृथ्वी पर न आ सके। ऐसा मानना है कि क्रिसमस वाले दिन बुरी आत्माएं धरती पर लौट आती हैं और अगर झाड़ू को छुपा दिया जाए तो वह नहीं आतीं।

2) फिनलैंड के कुछ परिवारों में ऐसी परंपरा है कि लोग सुबह होते ही चावल और दूध से बने दलिया को खाते हैं। इसे दालचीनी, दूध या मक्खन के साथ खाया जाता हैं। इस पुडिंग के अंदर बादाम भी छुपाया जाता है और जो पहले बादाम को ढूंढ़ लेता है वो जीत जाता है।

3) कनाडा में क्रिसमस सेलिब्रेशन काफी खास होता है। कहते हैं कि सांता क्लॉज का घर कनाडा में है और यहां पोस्ट के जरिए सांता को चिट्ठियां भेजी जाती हैं।

4) यूक्रेन में क्रिसमस ट्री को मकड़ी के जाले से सजाया जाता है। दरअसल, ये कहानी एक गरीब महिला की है जो अपने पेड़ को सजाने के लिए डेकोरेशन आइटम नहीं खरीद सकती थी। अगली सुबह वह उठी और उसका पेड़ मकड़ी के जालों से ढका हुआ था जो सूरज की रोशनी में बिल्कुल चमकदार और सुंदर लग रहा था। पोलैंड या जर्मनी जैसी जगहों में क्रिसमस ट्री में मकड़ी या मकड़ी का जाला होता हैं तो इसे सौभाग्य मानते हैं।

5) कई देशों में क्रिसमस ट्री के बीच में अचार के आकार को कहीं छिपाया जाता है और जो व्यक्ति इसे ढूंढता है, उसे एक गिफ्ट मिलता है। माना जाता है कि ऐसा करने वाले को ढेर सारा सौभाग्य भी मिलता है।

घी निकालने के लिए जरूरी नहीं मलाई!

बस 1 चीज से कम टाइम में होगा काम

भारतीय रसोई में घी का महत्वपूर्ण स्थान है, यह हर पारंपरिक भोजन को स्वादिष्ट बनाने में बड़ा रोल निभाता है. घी न केवल स्वाद को बढ़ाता है, बल्कि सेहत को भी अच्छा रखता है. आमतौर पर घी बनाने के लिए मलाई का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिना मलाई के भी घी बनाया जा सकता है? यह तरीका न केवल सरल है बल्कि समय की बचत भी करता है. आइए जानते हैं कैसे...

घी बनाने के लिए अगर आपको पास मलाई नहीं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है, आप दही से भी घी को निकाल सकते हैं. इस प्रॉसेस को करने के लिए आपको आपको गाढ़ी दही की जरूरत पड़ेगी. सबसे पहले फुल-फैट दूध उबालें और ठंडा करें. अब इसमें 2-3 टेबलस्पून दही डालें और इसे ढककर 6-8 घंटे या रातभर के लिए छोड़ दें. इससे दूध जमकर गाढ़ा दही बन जाएगा.

अब घी कैसे तैयार करें

तैयार दही को अच्छी तरह फेंट लें. अब इसे एक बर्तन में डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. दही गर्म होने पर इसमें से मक्खन ऊपर आ जाएगा. इसे अलग कर लें. अब निकाले हुए मक्खन को धीमी आंच पर गर्म करें. मक्खन पिघलने लगेगा और इससे घी निकल आएगा. इसे छानकर एक साफ बर्तन में स्टोर करें.

क्या है इसके फायदे?

- बिना मलाई के घी बनाना आसान है और इसमें ज्यादा समय नहीं लगता.
- इसका स्वाद मलाई से बने घी जितना ही शानदार होता है.
- यह तरीका उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो नियमित रूप से मलाई जमा नहीं कर पाते.
- अब आप भी इस सरल प्रक्रिया से बिना मलाई के घी बनाकर अपने खाने का स्वाद बढ़ा सकते हैं.

आज का राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा।

वृषभ : नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा।

कर्क : आज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर : घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना में अच्छा लाभ होगा। घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यज्ञ बढ़ेगा।

मीन : आज संतान को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। फालतू अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपरिचित पर भरोसा करने से नुकसान होगा। व्यापार में चिंता तथा तनाव रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बिहार से कुशीनगर आई साली को जीजा के छोटे भाई ने मार दी गोली, हालत गंभीर

कुशीनगर. कुशीनगर के चौराखास थाना क्षेत्र के कोइलसवां बुजुर्ग के बरवां टोला में बड़ी बहन के घर पहुंची साली को बहनोई के छोटे भाई ने छत पर मजाक करने के दौरान गोली मार दी। इससे पूरे गांव में सनसनी फैल गई। किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इस घटना के बाद एक वृद्धा को छोड़कर घर के सभी लोग फरार हो गए। बिहार के गोपालगंज जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के सुकरवलिया निवासी 15 वर्षीय किशोरी एक दिन पूर्व शनिवार को बड़ी बहन सुधा देवी पत्नी अंकुर यादव निवासी कोइलसवा बुजुर्ग बरवां टोला थाना चौराखास के घर आई थी। रविवार अपराह्न 3 बजे वह अपनी बहन के देवर शैलेष यादव के साथ मकान की छत पर हंसी-मजाक कर रही थी कि शैलेष ने अवैध हथियार से फायर कर दिया। गोली किशोरी के पेट में लगी। गोली चलने की आवाज सुन गांव में सनसनी फैल गई।

शिकायत की तो तुम्हारे भाई की लाश मिलेगी, बस्ती में व्यापारी का अपहरण; धमकी से हड़कंप

बस्ती. बस्ती में एक नौजवान व्यापारी के अपहरण की बात सामने आ रही है। अपहरण के बाद ह्वाट्सएप चैट पर जान-माल की धमकी देने का मामला सामने आया तो परिजनों सहित पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। ह्वाट्सएप पर मिली धमकी में व्यापारी के भाई को संबोधित करते हुए लिखा है कि कहीं शिकायत की तो तुम्हारे भाई की लाश मिलेगी। मामला बस्ती के गौर थाना क्षेत्र का है। बस्ती पुलिस और एसओजी अपहृत व्यापारी की तलाश में जुट गई है। रविवार की देर रात गौर थानाक्षेत्र के परासडीह गांव निवासी बबलू कसौधन ने पुलिस को सूचना दी कि गौर स्टेशन के पीछे उसका भाई अजय कसौधन किराना की दुकान करता है। रविवार शाम पांच बजे से वह गायब है। उसके बबलू के मोबाइल पर ह्वाट्सएप चैट से धमकी दी गई कि मेरी तुमसे दुश्मनी है। तुमने मेरा बहुत बड़ा नुकसान किया है। तीन महीने से तुम्हारे बेटे का अपहरण करने का प्रयास कर रहा हूं लेकिन तुम्हारा भाई हर बार बीच में आ जाता था। आज तुम्हारे भाई का अपहरण कर लिया हूं। फोन पर सम्पर्क मत करो क्योंकि वह अभी बेहोश है।

लखनऊ के छात्र कृष्णा ने बनाया पराली से प्यूरिफायर, IIT मुम्बई ने दिया अवार्ड

लखनऊ. वायु प्रदूषण का जिक्र हो तो सबसे पहले पराली जलाए जाने की बात दिमाग में आती है। लखनऊ के एक छात्र ने उसी पराली से हवा को साफ करने वाला एयर फिल्टर ही बना दिया। क्लास 6 में पढ़ने वाले कृष्णा के हुनर को आईआईटी मुम्बई ने सराहा है। आईआईटी मुम्बई में 19 दिसम्बर को हुए टेकफेस्ट में कृष्णा को 'एक्सेपशनल प्रेजेंटेशन' कटेगरी में अवार्ड मिला। आईआईटी टेकफेस्ट पार्टनर और ओएलएल के सीईओ श्रेयान डागा ने कृष्णा को पुरस्कार देकर इस छात्र का हौसला बढ़ाया। इस टेकफेस्ट में देश भर से 290 स्कूलों के छात्रों ने हिस्सा लिया था। कृष्णा गंगवार लखनऊ के एआर जयपुरिया के छात्र हैं। कृष्णा ने मुम्बई से लौटकर बताया कि धान की कटाई के बाद बचा अवशेष जिसे पराली कहा जाता है, इन दिनों चुनौती बनती जा रही है। किसान अक्सर अगले रोपण सीजन के लिए खेतों को जल्दी से साफ करने के लिए इस कृषि अपशिष्ट को जला देते हैं। इससे गंभीर वायु प्रदूषण होता है। हानिकारक गैसें और कण वातावरण में फैल जाते हैं। पराली जलाने से धुंध, सांस संबंधी समस्याएं और पर्यावरण क्षरण होता है।

आंबेडकर को हराने वाले को कांग्रेस ने दिया पद्म भूषण

- भाजपा का ऐलान, पूरे देश में चलाएंगे अभियान

नई दिल्ली. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के सम्मान के नाम पर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक संग्राम तेज है। होम मिनिस्टर अमित शाह के संसद में दिए भाषण के एक हिस्से को लेकर कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा और सपा समेत कई राजनीतिक दल आक्रामक हैं। इन लोगों का कहना है कि अमित शाह को माफी मांग लेनी चाहिए। आम आदमी पार्टी ने तो इसे दिल्ली के चुनावी अभियान का ही हिस्सा बना लिया है। उसके नेता और कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर भाजपा के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं और उस पर आंबेडकर के अपमान का

आरोप लगा रहे हैं। वहीं कांग्रेस का कहना है कि वह देश भर में कार्यक्रम करेगी। इस बीच भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि हम कांग्रेस का काला चिट्ठा जनता के सामने रखेंगे। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर का सबसे ज्यादा अपमान तो कांग्रेस ने ही किया था। जवाहर लाल नेहरू ने उन्हें चुनाव में हरवा दिया था और उनके खिलाफ प्रचार करने भी उतरे थे। उन्होंने कहा कि 1952 के चुनाव में मुंबई उत्तर मध्य सीट से आंबेडकर हार गए थे और उनके मुकाबले नारायण सदोबा काजरोलकर को जीत मिली थी। इस चुनाव में नेहरू ने खूब कैंपेन किया था और आंबेडकर के खिलाफ प्रचार करने भी गए थे। यही नहीं इन्हीं नारायण सदोबा काजरोलकर को कांग्रेस की सरकार ने 1970 में पद्म भूषण जैसा देश का तीसरा सबसे बड़ा सम्मान दिया था।

कांग्रेस को इसका जवाब देंगे...

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस का नेतृत्व करने वाला पूरा नेहरू-गांधी परिवार अपने लिए भारत रत्न लेता रहा। लेकिन भीमराव आंबेडकर को सम्मान नहीं दिया गया। उलटा उन्हें चुनाव हराने वाले नारायण सदोबा काजरोलकर को पद्म भूषण दे दिया। भीमराव आंबेडकर का इससे बड़ा कोई अपमान नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हमारे पास पूरे दस्तावेज हैं और हम देश भर में लोगों को बताएंगे कि कांग्रेस कैसे बाबासाहेब का अपमान करती रही है। रविशंकर प्रसाद ने अमित शाह का बचाव करते हुए कहा कि उनके भाषण के एक हिस्से को काटकर फैलाया जा रहा है। तथ्यों से अलग बात प्रचारित की जा रही है। हम कांग्रेस को इसका जवाब देंगे और पूरे देश में अभियान चलाकर उनकी आंबेडकर विरोधी सोच को उजागर करेंगे।

PM मोदी ने 71 हजार लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटे

- कहा- डेढ़ साल में करीब 10 लाख पक्की नौकरी दी

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के 45 जगहों पर आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार युवाओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जॉइनिंग लेटर बांटे। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह दूसरा रोजगार मेला है।

PM मोदी ने कहा- पिछले डेढ़ साल में हमारी सरकार में करीब 10 लाख पक्की नौकरियां दी गईं। पहले की सरकारों ने ऐसा नहीं किया। आज युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो रहा है।

रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी। अब तक 14 मेलों में 9.22 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। इससे पहले आखिरी रोजगार मेला 29 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया गया था, जिसमें 51 हजार से ज्यादा लोगों को जॉइनिंग लेटर बांटा गया था।

भारत ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हमें इस संकल्प पर भरोसा है और लक्ष्य की प्राप्ति का विश्वास है, क्योंकि भारत में हर नीति और हर निर्णय के केंद्र में भारत का प्रतिभाशाली युवा है। आज देश में न केवल लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां मिल रही हैं, बल्कि ये नौकरियां पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं। किसी भी देश का विकास उसके युवाओं के श्रम, सामर्थ्य और नेतृत्व से होता है।

पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को पूर्व IAS पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। पूजा पर UPSC एग्जाम में धोखाधड़ी और अवैध रूप से OBC और विकलांगता कोटे का लाभ लेने का आरोप है।

UPSC की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था। पूजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। जस्टिस चंदर धारी सिंह की बेंच ने 27 नवंबर को मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

इससे पहले दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 1 अगस्त को पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि पूजा पर लगे आरोप गंभीर हैं। पूरी साजिश का खुलासा करने और इसमें अन्य लोगों के शामिल होने की पुष्टि के लिए उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट, 11 करोड़ वसूले

TRAI अधिकारी बनकर कॉल की; आधार-सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया

बेंगलुरु. बेंगलुरु के हेब्बल में 39 साल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट का शिकार हुए। ठगों ने उन्हें डरा-धमकाकर 11.8 करोड़ रुपए वसूल लिए। बाद में शक होने पर इंजीनियर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

मामला एक महीने पुराना है। पुलिस को दिए बयान के मुताबिक शख्स ने 25 नवंबर से 12 दिसंबर के बीच पैसे गंवाए। ठगों ने इंजीनियर को TRAI (टेलिकॉम रेगुलेरिटी ऑफ इंडिया) अधिकारी बनकर कॉल किया था और आधार-सिम के फर्जी इस्तेमाल की जानकारी देकर डराया था।

- 11 नवंबर को पहली कॉल आई

सॉफ्टवेयर इंजीनियर विक्रम (बदला हुआ नाम) को 11 नवंबर को सुबह करीब 10.30 बजे मोबाइल नंबर 8791120931 से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को TRAI का अधिकारी बताया और विक्रम से कहा कि उसके नाम से खरीदे गए सिम कार्ड का इस्तेमाल अवैध विज्ञापनों और धमकी भरे मैसेजों के लिए किया जा रहा है।

जालसाज ने उन्हें बताया कि इसके लिए उनके आधार का इस्तेमाल किया गया है। फिलहाल अब उनके सिम को ब्लॉक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और मुंबई के कोलाबा साइबर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

- दूसरी कॉल फर्जी पुलिस अधिकारी ने की

कुछ दिनों बाद एक दूसरे ठग ने मोबाइल नंबर 7420928275 से इंजीनियर से संपर्क किया और खुद को पुलिस अधिकारी बताया। उसने विक्रम से कहा कि उसके आधार का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग के लिए बैंक अकाउंट खोलने में किया गया है।

उन्होंने विक्रम को चेतावनी दी कि वह अपने परिवार सहित किसी को भी कॉल के बारे में न बताएं, क्योंकि धोखाधड़ी में प्रभावशाली व्यक्ति शामिल हैं, जो पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग के मामलों में गिरफ्तार हैं। ठगों ने इंजीनियर को वर्चुअल जांच में सहयोग न करने पर फिजिकली अरेस्ट करने की धमकी दी थी।

मणिशंकर अय्यर ने बता दिया राहुल-प्रियंका का भविष्य

नई दिल्ली. अकसर अपने विवादित बयानों के चलते चर्चा में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने अपनी जीवनी का दूसरा अंश 'A Maverick in Politics' रिलीज किया है। इसमें उन्होंने कांग्रेस के भविष्य, गठबंधन राजनीति समेत कई अहम मुद्दों पर भी बात की है। इस तरह अय्यर ने अपनी राजनीतिक जीवनी के साथ ही कांग्रेस से भी जुड़ी कई चीजों को उजागर किया है। इस बीच पुस्तक पर चर्चा के दौरान अय्यर ने प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की तुलना नेहरू और पटेल की जोड़ी से की है। अय्यर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के बारे में लिखने वाले लोगों ने नेहरू और पटेल की सराहना की थी। उन लोगों ने लिखा था कि इस जोड़ी ने ही देश को खड़ा किया और शासन किया। दोनों को तब के जानकारों ने एक-दूसरे का पूरक बताया था।

मणिशंकर अय्यर ने 'इंडियन एक्सप्रेस' को दिए इंटरव्यू में कहा, 'प्रियंका गांधी पिछले 6 सप्ताह से सांसद हैं। अब हम उनमें भविष्य देखते हैं। नेहरू और पटेल की जोड़ी ने देश को खड़ा किया था। मुझे विश्वास है कि वैसी ही जोड़ी राहुल और प्रियंका की भी होगी। मुझे लगता है कि ये दोनों अगले 30 सालों तक कांग्रेस का चेहरा रहेंगे। मैं दोनों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं देखता। उन लोगों ने तय भी कर लिया होगा कि कैसे रहना है। फैमिली की ओर से कांग्रेस का चेहरा राहुल गांधी रहेंगे, लेकिन पार्टी में अहम योगदान प्रियंका गांधी का रहेगा। उन दोनों को अलग करने का कोई भी प्रयास सफल नहीं होगा। भविष्य में हम राहुल गांधी और प्रियंका की कांग्रेस देखेंगे।'

कांग्रेस पार्टी को दी नसीहत....

कांग्रेस लीडर ने इंटरव्यू में पार्टी को एक नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यह नहीं सोचना चाहिए कि उसके अलावा कोई अन्य लीडर INDIA अलायंस का नेतृत्व नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, 'यह बहुत जरूरी सवाल फिलहाल नहीं है। फिर भी मैं कहूंगा कि कांग्रेस को INDIA ब्लॉक के लीडर का पद छोड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए। जो भी नेता बनना चाहे, उसे बनने दिया जाए। ममता बनर्जी में ऐसा करने की क्षमता है। दूसरे नेताओं में भी अलायंस का नेतृत्व करने का दम है और वे जरूरी प्रतिभा रखते हैं। इसलिए मैं मानता हूं कि यह अहम बात नहीं है कि गठबंधन का नेतृत्व कौन करे। कांग्रेस केंद्रीय भूमिका में तो रहेगी ही। मुझे लगता है कि भले ही राहुल गांधी अलायंस के मुखिया न रहे, लेकिन उनका सम्मान उससे भी ज्यादा रहेगा।'

मशहूर फिल्म निर्माता श्याम बेनेगल का 90 की उम्र में निधन

मशहूर फिल्ममेकर श्याम बेनेगल का सोमवार की शाम 6:30 बजे निधन हो गया। बेनेगल किडनी संबंधी दिक्कतों से परेशान थे। उन्होंने 14 दिसंबर को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था। दिग्गज फिल्ममेकर श्याम बेनेगल को सिनेमा जगत में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। भारतीय सिनेमा जगत को नसीरुद्दीन शाह, अमरीश पुरी, स्मिता पाटिल, ओम पुरी और शबाना आजमी जैसे दिग्गज सितारे देने वाले श्याम को दादा साहब फाल्के सम्मान मिल चुका है और अपने कई दशकों के करियर में उन्होंने 8 नेशनल अवॉर्ड जीते थे। वेलकम टू सज्जनपुर से लेकर द मेकिंग ऑफ महात्मा गांधी तक श्याम बेनेगल के अचीवमेंट की लिस्ट बहुत लंबी है।

संसद के धक्काकांड में घायल भाजपा सांसदों

सारंगी और राजपूत को अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली. संसद भवन के धक्काकांड में घायल भाजपा सांसदों प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। दोनों सांसदों को दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में एडमिट कराया गया था। सांसदों का आरोप था कि राहुल गांधी ने धक्कामुक्की की थी, जिसमें वह गिर गए थे और इस दौरान उन्हें चोटें आई थीं। प्रताप सारंगी का कहना था कि राहुल गांधी संसद के अंदर जा रहे थे और इसी दौरान उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया था, जो उनके ऊपर आकर गिरा। गुरुवार को संसद परिसर के बाहर कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के सांसद आंबेडकर के अपमान के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे थे। भाजपा की ओर से भी प्रदर्शन किया जा रहा था। इस

बीच जानकारी मिली है कि राममनोहर लोहिया अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद सारंगी नोएडा सेक्टर 71 स्थित कैलाश अस्पताल में एडमिट हुए हैं।

इसी दौरान संसद के मकर द्वार के पास दोनों तरफ के सांसद आमने-सामने आ गए। कहा जा रहा कि इस बीच राहुल गांधी संसद के अंदर जाने लगे और धक्कामुक्की में भाजपा सांसद गिर गए। भाजपा सांसदों ने दावा किया था कि राहुल गांधी के धक्के के चलते वह गिरे हैं और उन्हें चोट लगी है। इस मामले में पुलिस में शिकायत भी भाजपा की ओर से दर्ज कराई गई थी। भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस को एक शिकायत देकर उन पर संसद परिसर में ''धक्का-मुक्की'' के दौरान ''शारीरिक हमला और उकसावे'' में शामिल होने का आरोप लगाया था।

राहुल गांधी के खिलाफ संसद मार्ग थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। केस फाइल करने के बाद पुलिस अधिकारी का कहना था कि सारंगी और मुकेश राजपूत के बयान दर्ज किए जा सकते हैं और राहुल गांधी को भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

पीवी सिंधू की शादी की पहली फोटो आई सामने

- वेंकट दत्ता को बनाया हमसफर

भारत की स्टार बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधू ने जिंदगी का नया चैप्टर शुरू किया है। वह शादी के बंधन में बंध गई हैं। उन्होंने रविवार को वेंकट दत्ता साई को अपना हमसफर बनाया। दोनों ने उदयपुर में सात फेरे लिए। यह शादी पारंपरिक तेलुगु रीति-रिवाजों से हुई। विवाह समारोह में परिवार और दोस्तों ने शिरकत की। सिंधू-साई की वेडिंग की पहली फोटो सामने आई है, जिसे केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शेयर किया। वह दोनों को आशीर्वाद देने पहुंचे थे। सिंधू-साई की फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही और फैंस नई जोड़ी को जमकर शुभकामनाएं दे रहे हैं।

हैदराबाद में होगा रिस्पेशन

शेखावत ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर फोटो साझा करते हुए लिखा, "कल शाम उदयपुर में हमारी बैडमिंटन चैंपियन ओलंपियन पीवी सिंधू और वेंकट दत्ता साई के विवाह समारोह में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हुई। मैंने जोड़े को उनके नए जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया।" बता दें कि शादी से जुड़े कार्यक्रम 20 दिसंबर से शुरू हो गए थे। 22 दिसंबर को शादी होने के बाद अब 24 दिसंबर यानी मंगलवार को हैदराबाद में रिस्पेशन होगा। 29 वर्षीय सिंधू का जन्म हैदराबाद में हुआ था। साई भी हैदराबाद के रहने वाले हैं। वह पोसाइडेक्स टेक्नोलॉजीस में कार्यकारी निदेशक हैं।

सिंधू ने इस महीने की शुरुआत में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतकर लंबे समय के खिताब के सूखे को समाप्त किया।

पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों का एनकाउंटर

- पंजाब में थाने पर हमला किया था
- 2 AK-47 और कारतूस बरामद; 2 सिपाही जख्मी

पीलीभीत. UP के पीलीभीत में 3 खालिस्तानी आतंकियों को एनकाउंटर में मार गिराया गया। पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस ने सोमवार तड़के यह ऑपरेशन किया। सभी आतंकी खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (KZF) के सदस्य थे। इन्होंने 19 दिसंबर को पंजाब के गुरदासपुर जिले में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड से हमला किया था। आतंकियों के पास से 2 एके-47 राइफल, 2 ग्लॉक पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए। मारे गए आतंकियों में गुरदासपुर निवासी गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह हैं। पीलीभीत के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में एनकाउंटर हुआ। गोली लगने के बाद तीनों घायलों को पूरनपुर CHC लाया गया। वहां डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।

आतंकियों को घेरा तो पुलिस पर ताबड़तोड़ फायर किए: SP

पीलीभीत SP अविनाश पांडेय ने बताया- सोमवार सुबह पंजाब की गुरदासपुर पुलिस की टीम थाना पूरनपुर पहुंची। सूचना दी कि उनके यहां कुछ दिन पहले गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी पर खालिस्तानी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया था। उनके पूरनपुर क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली थी। तुरंत पूरे जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान खमरिया पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मियों ने सूचना दी कि एक बाइक पर तीन संदिग्ध नजर आए हैं। उनके पास से कुछ संदिग्ध वस्तुएं हैं। ये बाइक से पीलीभीत की तरफ गए हैं। पंजाब पुलिस और पूरनपुर पुलिस ने उनका पीछा किया। आगे के थानों का अलर्ट किया गया।

SP अविनाश पांडेय ने बताया- पूरनपुर और पीलीभीत के बीच निर्माणाधीन पुल पर इन लोगों को पुलिस ने घेरा तो यह लोग एक पटरी की तरफ मुड़ गए। इसके बाद उन्हें रुकने के लिए कहा गया तो इन्होंने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में तीनों आतंकियों को गोली। हॉस्पिटल में उनकी मौत हो गई। पंजाब पुलिस ने बताया कि इन आतंकियों का विदेशी कनेक्शन है। आरोपियों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। यह पूरनपुर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। आतंकियों की फायरिंग से दो पुलिस कॉन्स्टेबल भी घायल हुए हैं।

वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि (23 साल)
पुत्र- रंजीत सिंह
निवासी- अगवान, कलानौर, जिला गुरदासपुर, पंजाब

गुरविंदर सिंह, (25 साल)
पुत्र- गुरुदेव सिंह
निवासी- कलानौर, जिला गुरदासपुर, पंजाब

जसनप्रीत सिंह उर्फ प्रताप (18 साल)
निवासी- निक्का सूर, कलानौर, जिला गुरदासपुर

कहीं अंधेरे में ना डूब जाए बांग्लादेश

- भारत से ले रहा बिजली; बाकी है 200 करोड़ का बिल

अगरतला. बांग्लादेश पर त्रिपुरा का 200 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश को बिजली आपूर्ति रोकने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड पड़ोसी देश को 60-70 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। इसके लिए बांग्लादेश पावर

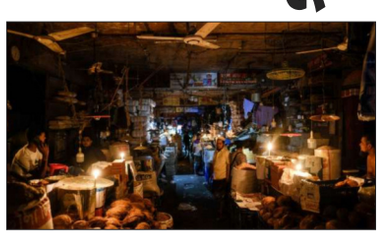

डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एक समझौता किया गया है।

साहा ने बताया, 'बांग्लादेश ने हमें बिजली आपूर्ति के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। बकाया राशि हर दिन बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि वे अपना बकाया चुका देंगे, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो।' यह पूछने पर कि यदि ढाका बकाया भुगतान करने में विफल रहता है, तो क्या त्रिपुरा सरकार बिजली की आपूर्ति रोक देगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए कई मशीनरी बांग्लादेशी क्षेत्र या चटगांव बंदरगाह के माध्यम से लाई गई थी। इसलिए, कृतज्ञता के कारण त्रिपुरा सरकार ने एक समझौते के बाद देश को बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी। उन्होंने कहा, 'लेकिन, मुझे नहीं पता कि अगर वे बकाया राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो हम बांग्लादेश को कब तक बिजली की आपूर्ति जारी रख पाएंगे।'

त्रिपुरा ने मार्च 2016 में बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति शुरू की। बिजली का उत्पादन दक्षिणी त्रिपुरा के पलाटाना में सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (ओटीपीसी) के गैस आधारित 726 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले बिजली संयंत्र में किया जाता है। उन्होंने बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति के बारे में कहा, 'हम सीमा पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हालांकि, अगस्त में उस देश में शुरू हुए मौजूदा उथल-पुथल के बाद से अब तक बांग्लादेश से कोई बड़ी आमद नहीं हुई है।'

'नकाब हटाइए, नहीं हटाऊंगी'

- जज और मुस्लिम वकील के बीच तीखी बहस
- HC का सुनवाई से इनकार

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट ने पिछले दिनों एक ऐसी मुस्लिम महिला वकील की बात सुनने से इनकार कर दिया, जिसने सुनवाई के दौरान अपना चेहरा ढका हुआ था। जब जज ने महिला से नकाब हटाकर चेहरा दिखाने को कहा था, कथित वकील ने चेहरा दिखाने से इनकार कर दिया। इसके बाद जज ने उस मामले की सुनवाई करने से इनकार कर दिया और हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी कि क्या किसी महिला वकील को चेहरा ढककर किसी मामले की पैरवी करने की अनुमति है। कोर्ट ने उस महिला वकील की बात सुनने से इनकार कर दिया और आगे की तारीख दे दी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, रजिस्ट्रार जनरल की रिपोर्ट की जांच करने के बाद हाई कोर्ट की जस्टिस मोक्ष खजूरिया काज़मी ने 13 दिसंबर को अपने आदेश में कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) द्वारा निर्धारित नियमों में से किसी में भी ऐसे अधिकार का उल्लेख नहीं है, जिसके तहत कोई भी महिला चेहरे पर नकाब लगाकर या बुर्का पहनकर अदालत में मामले की पैरवी कर सकें।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

खारघर में 4 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नवी मुंबई. खारघर के कोपरा गांव में किराए के कमरे में रह रहे 4 बांग्लादेशी नागरिकों को नवी मुंबई पुलिस के अनैतिक मानव तस्करी सेल ने गिरफ्तार किया है. खारघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दीपक सुर्वे ने अनैतिक मानव तस्करी और स्थानीय पुलिस की एक टीम बनाई, जिसने उस स्थान पर जाल बिछाकर 37 साल की अमीषा कमाल काजी, 18 साल की शर्मिन कमाल काजी, 40 साल की रानी किमारुल शेख और 27 साल के सैफुल्लाह अहमद अली खान को हिरासत में लिया. हिरासत में ली गई उक्त बांग्लादेशी महिलाओं और लड़कियों से पूछताछ के बाद पता चला कि यह खारघर और आसपास के इलाके में नौकरानी का काम करती थीं.

छगन भुजबल भाजपा में जाएंगे!

- चर्चाओं के बीच फडणवीस से मिले;
- भतीजा भी साथ

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार का हिस्सा न बनाए जाने से नाराज छगन भुजबल ने सोमवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। छगन भुजबल और फडणवीस की बातचीत करीब 40 मिनट तक चली। इस दौरान छगन भुजबल के बेटे समीर भुजबल भी मौजूद थे। इस मीटिंग के बाद से चर्चे तेज हैं कि आखिर छगन भुजबल का अगला कदम क्या होगा। इस चर्चा की वजह है कि भुजबल के कई समर्थक लगातार कहते रहे हैं कि उन्हें भाजपा में चले जाना चाहिए। छगन भुजबल को उम्मीद थी कि उन्हें कम से कम कैबिनेट में जरूरी शामिल किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा था कि मैं किसी के हाथ का खिलौना नहीं हूं कि जब चाहा खेला और जब चाहा रख दिया।

यही नहीं देवेंद्र फडणवीस की उन्होंने तारीफ की थी और कहा था कि सीएम तो उन्हें कैबिनेट में देखना चाहते थे। ऐसी स्थिति में फडणवीस से होने वाली मुलाकात ने इन कयासों को तेज कर दिया है कि क्या छगन भुजबल भाजपा में जाने की सोच रहे हैं। छगन भुजबल ने मंत्री पद न मिलने के बाद से कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया है। ओबीसी समाज के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की है। उनके कई समर्थकों का कहना है कि छगन

भुजबल को सम्मान मिलने से ओबीसी वर्ग में नाराजगी रहेगी। इसे दूर किए जाने की जरूरत है। उनके साथियों का कहना है कि अजित पवार ने पिछड़ा वोटों के लिए छगन भुजबल को साथ बनाए रखा, लेकिन नतीजों के बाद उनका रुख बदल गया।

वहीं मुंबई में बहुजन अघाड़ी की मीटिंग भी हुई, जिसमें विचार हुआ कि क्यों न छगन भुजबल को समर्थन दे दिया जाए क्योंकि उन्होंने हमारी मांगों को उठाया है। इन लोगों का कहना है कि छगन भुजबल प्रदेश के बड़े ओबीसी नेता हैं और समाज में भी उन्हें मान्यता हासिल है। इसलिए वह चाहते हैं कि छगन भुजबल भाजपा के साथ चले जाएं, जहां ओबीसी नेताओं का अच्छा सम्मान हुआ है।

छगन भुजबल का कहना है कि आखिर उनकी क्या गलती है, जिसके चलते हटाया गया। लेकिन अजित पवार के नेतृत्व वाले दल के पास ही ज्यादातर मंत्रालयों की कमान सौंपने से भी संकट की स्थिति होती। ऐसे में सभी दलों से लगभग एक तिहाई से भी कम विधायकों को मंत्री पद दिया गया है। बता दें कि छगन भुजबल खुद को ओबीसी नेता के तौर पर प्रोजेक्ट करते रहे हैं। मंत्रालय न मिलने के बाद उनकी कई ओबीसी संगठनों के नेताओं से मुलाकात हुई है। वह चुके हैं कि अपने समर्थकों से मुलाकात के बाद ही कोई फैसला लेंगे।

अब पालकमंत्री पद को लेकर घमासान

- उप मुख्यमंत्री शिंदे ठाणे जिले के होंगे पालक मंत्री ?

मुंबई. महायुति सरकार के मंत्रिमंडल का बंटवारा तो हो गया है, लेकिन पालक मंत्री पद का झगड़ा अभी तक नहीं सुलझ पाया है. विशेष रूप से बीड, छत्रपति संभाजीनगर, रायगढ़, नासिक, सतारा संरक्षकता पाने वाले संबंधित मंत्रियों के जिले हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ठाणे जिले के पालक मंत्री होंगे, जबकि अजीत पवार पुणे जिले के पालकमंत्री होंगे.

शीतकालीन सत्र खत्म होते ही मंत्री मंत्रालय में बैठेंगे और कामकाज शुरू करेंगे. अब वे पालक मंत्री पद के लिए रस्सीखेच शुरू है. बीड में पंकजा मुंडे और धनंजय मुंडे मंत्री पद पाने में कामयाब रहे हैं। धनंजय मुंडे पालक मंत्री बनने पर जोर दे रहे हैं वहीं पंकजा मुंडे भी बीड की पालक मंत्री बनने की इच्छुक हैं।

भरत गोगवले ने रायगढ़ के पालक मंत्री पद का दावा किया है, महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे भी एक बार फिर रायगढ़ के पालक मंत्री बनने के लिए उत्सुक हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के सामने सवाल यह है कि इस दुविधा को कैसे सुलझाया जाए। छत्रपति संभाजीनगर में, शिवसेना शिंदे समूह के मंत्री संजय शिरसाट ने पालक मंत्री पद पर दावा किया है। शिरसाट ने कहा कि मैं छत्रपति संभाजीनगर का पालक मंत्री बनूंगा और इसकी औपचारिक घोषणा होना बाकी है. भाजपा नेता और ओबीसी कल्याण मंत्री अतुल सावे ने भी छत्रपति संभाजीनगर के पालक मंत्री पद के लिए दावा किया है।

इस बीच, अहिल्यानगर के संरक्षक राधाकृष्ण विखे-पाटिल, नासिक-मणिकारो कोकाटे, जलगांव-गिरीश महाजन, कोल्हापुर-हसन मुश्रीफ, परभणी-मेघना बोर्डिकर, बुलदाना-आकाश फुंडकर, रत्नागिरी-उदय सामंत, सिंधुदुर्ग-नितेश राणे, मुंबई शहर-मंगलप्रभात लोढ़ा, मुंबई उपनगर-आशीष शेलार, जबकि धुले से चर्चा है कि जयकुमार रावल को पालक मंत्री नियुक्त किया जाएगा. पुणे के पालक मंत्री पद के लिए दोनों दादा आमने-सामने हैं

पुणे जिले के संरक्षक मंत्री का पद सबसे चर्चित पद है. संभावना जताई जा रही है कि इस पद को लेकर एक बार फिर बीजेपी और महागठबंधन में शामिल राष्ट्रवादी अजित पवार गुट के बीच जुबानी जंग छिड़ सकती है. क्योंकि, पुणे के पालक मंत्री पद को पाने के लिए एक बार फिर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और उच्च तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल एक-दूसरे के सामने आने की संभावना है।

'स्वाभाविक है कि कुछ मंत्री खुश नहीं...'

- पोर्टफोलियो बंटवारे पर बोले अजित पवार

मुंबई. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने रविवार को मंत्रियों की बड़ी संख्या और विभाग आवंटन में आई चुनौतियों पर चर्चा की. उन्होंने कहा, ₹मंत्रियों की संख्या अधिक होने के कारण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सभी को विभाग देना पड़ा. ऐसे में कुछ मंत्री खुश हैं और कुछ असंतुष्ट, यह स्वाभाविक है.₹ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विभागों के आवंटन

के एक दिन बाद, पवार ने कहा कि लंबित परियोजनाओं पर जल्द ही काम शुरू किया जाएगा.

बारामती में अपने निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो और सम्मान समारोह में भाग लेते हुए पवार ने बताया कि महाराष्ट्र कैबिनेट में केवल छह राज्य मंत्री हैं, जबकि बाकी 36 कैबिनेट मंत्री हैं. इस कैबिनेट में अजित पवार को वित्त मंत्रालय का प्रभार मिला है. उन्होंने कहा कि वह सोमवार को कार्यालय का कार्यभार संभालेंगे. उन्होंने बताया कि नवंबर में विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होने के कारण कई परियोजनाओं पर काम रुक गया था. डिप्टी सीएम ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि, ₹हमें लंबित परियोजनाओं को लेकर कई पत्र प्राप्त हुए हैं. थोड़ा समय दें, हर काम पूरा किया जाएगा.'

मार्च में शुरू होगा बजट सत्र

पवार ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र 3 मार्च से मुंबई में शुरू होगा. उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के साथ विश्वास में लेकर बजट तैयार करना चाहता हूं. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह विभाग, ऊर्जा, कानून और न्याय, सामान्य प्रशासन और सूचना और जनसंपर्क विभाग अपने पास रखा है. डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण विभाग (सार्वजनिक उद्यम) सौंपा गया है. अजित पवार को वित्त, योजना और राज्य उत्पाद शुल्क विभाग का प्रभार दिया गया है. पवार ने कहा कि विभागों का प्रभार मिलने के बाद मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं. उन्होंने भरोसा जताया कि जल्द ही सभी लंबित काम शुरू हो जाएंगे.

महिला की हत्या के आरोप में एक गिरफ्तार

पनवेल. अक्टूबर महीने में 49 वर्षीय एक महिला से लूटपाट के बाद उसकी हत्या के मामले में पनवेल के निकट एक गांव से 45 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि संगीता अगावणे सात अक्टूबर को वलप गांव में ट्यूशन पढ़ाकर लौट रही थी, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उसके मुंह में कपड़े ठूंसकर गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने महिला के पास से करीब 1.95 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामान लूट लिए।

कर्ज दिलाने के नाम पर 1.74 करोड़ की ठगी

नवी मुंबई. कर्ज दिलाने में मदद करने के बहाने लोगों से 1.74 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है. इस मामले में नौपाड़ा पुलिस ने एक वित्तीय सलाहकार फर्म के मालिक सहित नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

नवी मुंबई स्थित कामोठे निवासी 40 वर्षीय एक 'बिल्डर' ने पुलिस में दर्ज अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपियों ने उसके बिजनेस के लिए चार करोड़ रुपये का कर्ज स्वीकृत कराने में मदद का प्रस्ताव रखा और कार्य प्रक्रिया शुल्क के रूप में उससे 24.41 लाख रुपये ले लिए. नौपाड़ा थाने के अधिकारी ने बताया कि इसी तरह से आरोपियों ने कई अन्य लोगों से भी रुपये लिए और उन्हें वापस नहीं किया. पुलिस अधिकारी के मुताबिक कर्ज के इच्छुक लोगों से सामूहिक रूप से 1.74 करोड़ रुपये की ठगी की गई है. शिकायत के आधार पर नौपाड़ा पुलिस ने वित्तीय सलाहकार फर्म के मालिक, बैंक प्रबंधक और सात अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. सभी शिकायतों की जांच की जा रही है.

रईस हाईस्कूल में आल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. रईस हाईस्कूल एंड जूनियर कालेज, भिवंडी ग्राउण्ड पर 65वें आल महाराष्ट्र उर्दू भाषण प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि मौलाना आजाद माईनारटीज फाइनेंशियल डेवलप्मेंट कार्पोरेशन लि. मुम्बई मैनेजिंग डायरेक्टर गफ्फार मखदूम मौजूद थे. अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि, बच्चों द्वारा प्रस्तुत सभी भाषण और प्रस्तुती अत्यंत शानदार रही. शानदार प्रदर्शन के लिए मैं सभी छात्र वक्ताओं एवं उनका मार्गदर्शन करने वाले अध्यापकों को मुबारकबाद पेश करता हूँ. मौलाना आजाद माइनारटीज फाइनेंशियल डेवलप्मेंट कार्पोरेशन की कारगुजारियो की विस्तृत जानकारी भी दी.समारोह में विशेष अतिथि के रूप में इंजीनियर अलीम अब्दुल कादिर फौजी, असलम परवेज, अब्दुल्ला खान तथा साजिद रशीद सहित केएमई सोसायटी के उपाध्यक्ष एड्वोकेट यासीन मोमिन, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, यासर तातली, बासित पटेल, दुर्राज कामनकर तथा अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे.प्रतियोगिता में भिवंडी, मुंबई, ठाणे, कलयाण, नाशिक, मालेगांव, धुलिया, बुलढाना एवं कोल्हापुर के कुल 35 प्रतियोगियों ने भाग लिया. प्रतियोगिता 2 चरणों में सम्पन्न

हुई.प्रथम चरण एलिमिनेशन राउंड में ग्रुप अ और ग्रुप ब में आयोजित हुई.ग्रुप अ के अध्यक्ष सरोश अब्दुल्ला भुरे यथा निर्णायक मोमिन रेयाज अहमद, डा. अबूसाद एवं इकबाल अंसारी थे. ग्रुप ब के अध्यक्ष मौलाना मुतीउलहक खान तथा निर्णायक अब्दुल रऊफ शेख, अब्दुल मजीद अंसारी एवं खालिद अब्दुल कययूम अंसारी थे.दोनों ग्रुप के निर्णायक मंडल ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 10 -10 प्रतियोगियों का चयन किया. मुक़ाबले के जज असलम परवेज, अब्दुल्ला खान तथा साजिद रशीद थे.फाइनल मुक़ाबले में कुल पांच पुरस्कार और पांच सांत्वना पुरस्कार के अतिरिक्त सर्वश्रेष्ट वक्ता एवं वक्त्री तथा सबसे अच्छा भाषण लिखने वाले शिक्षक को भी पुरस्कृत किया गया.जजों के फैसले के अनुसार नेशनल हाईस्कूल, धुलिया के छात्र अब्दुल्ला मुबीन अहमद को प्रथम पुरस्कार, रईस हाईस्कूल भिवंडी के छात्र मोमिन मुहम्मद उमर आसिफ को द्वितीय, पटेल हाईस्कूल मुंब्रा की छात्रा अंसारी उमैमा माजिद को तृतीय, एटीटी हाईस्कूल मालेगांव के छात्र मोमिन अब्दुर्रहमान वसीम अख्तर को चौथा एवं मोमिन गर्ल्स हाईस्कूल, भिवंडी, की छात्रा खान जैनब जफर को पाँचवाँ पुरस्कार प्राप्त हुआ.

पांच प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए.समारोह में उपस्थित मेहमानों ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रतियोगिता अत्यंत रोचक, उपयोगी एवं ज्ञान वर्धक होने के साथ -साथ छात्रों को निर्भीक बनाने में भी सहायक होगी. समारोह में विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक के अतिरिक्त भारी संख्या में छात्र -छात्राएं एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.रईस हाई स्कूल के चेयरमैन यासर तातली ने आये हुए अतिथियों का परिचय सहित स्वागत किया.प्रधानाचार्य जियाउर्रहमान अंसारी ने पुष्पगुच्छ से अतिथियों का स्वागत किया.तथा विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की. सादिक अंसारी के निर्देशन में रईस हाईस्कूल द्वारा बनाई गई शार्ट फिल्म 'खुसरो की पहेली' भी दिखाई गई.

अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं में एसएसटी कॉलेज का जलवा

उल्हासनगर. उल्हासनगर और ठाणे क्षेत्र के सभी कॉलेजों में इन दिनों अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं का मौसम जोरों पर है। इन सभी प्रतियोगिताओं में विभिन्न उपश्रेणियों में न केवल भाग लेना बल्कि उनमें से कई में पुरस्कार जीतने में भी एसएसटी कॉलेज हमेशा की तरह अग्रणी रहा है। कॉलेज के 'संजीवनी सांस्कृतिक विभाग' के प्रतिभाशाली कलाकार इन सभी प्रतियोगिताओं में अपना कौशल साबित कर रहे हैं।

ठाकुर्ली स्थित मातृश्री काशीबाई मोतीलाल पटेल महाविद्यालय में आयोजित 'उन्नति अंतरमहाविद्यालयीन फेस्टिवल' में मेकअप प्रतियोगिता में लक्ष्मी कांबले ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि मेहंदी प्रतियोगिता में अंशिका शर्मा ने दूसरा पुरस्कार जीता। सतीश प्रधान ज्ञानसाधना महाविद्यालय के 'यूटोपिया' अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता से करुणा क्षीरसागर ने मेहंदी के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं, एसआईए कॉलेज के 'स्पार्कलर्स' महोत्सव में मेहंदी इस पारंपरिक प्रतियोगिता और बीजीएमआई (ई-गेम) में भी पहला स्थान प्राप्त हुआ। समूह नृत्य श्रेणी में भी 'स्पार्कलर्स महोत्सव' में एसएसटी कॉलेज के विद्यार्थियों ने पहला स्थान हासिल किया। वर्तमान अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं के माहौल में कॉलेज को मिली इस शानदार सफलता से विद्यार्थियों के बीच उत्साह का माहौल है। विजयी विद्यार्थियों की कॉलेज प्रबंधन और पूरे शिक्षक वर्ग की ओर से विशेष सराहना की जा रही है।

8 साल की बच्ची से छेड़छाड़, पड़ोसी गिरफ्तार

ठाणे. मुंब्रा पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत दिवा में रहने वाली एक आठ साल की बच्ची के साथ छेड़छाड़ के आरोप में पड़ोस में रहने वाले 43 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने उसके खिलाफ पॉक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है. बताया गया कि दिवा इलाके में आठ वर्षीय बच्ची अपने घर पर अकेली थी. तभी पड़ोस में रहने वाले आरोपी ने बच्ची को कथित तौर पर गलत तरीके से छुआ था और उससे छेड़छाड़ की. पीड़ित के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 (किसी महिला की गरिमा भंग करने के इरादे से उस पर हमला करना या आपराधिक बल का प्रयोग करना) एवं यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया.

महाविकास आघाड़ी का अमित शाह के विरुद्ध आंदोलन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ राकांपा महासचिव व विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड, शिवसेना नेता राजन विचारे के उपस्थिति में महाविकास आघाड़ी ने ठाणे स्टेशन पर जोरदार आंदोलन किया. इस आंदोलन में राष्ट्रवादी काँग्रेस-शरदचंद्र पवार पक्ष, काँग्रेस, शिवसेना उबाठा, आप, सपा ने स्टेशन परिसर में स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के पुतला के सामने गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध में निषेधार्थ आंदोलन किया गया।

इस अवसर पर राकांपा जिला अध्यक्ष सुहास देसाई, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, कांग्रेस जिला अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण, शिवसेना जिला प्रमुख केदार दिघे,

रचना वैद्य, राहुल पिंगले, रवि कोली, राजेश साटम, राजेश कदम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आम सूचना

मैं श्रीमती करुणा रत्नाकर मठ सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, कमला नेहरू नगर, धोबीघाट, मुकुंद किराना के पास, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 03एओ014138800) उक्त प्रॉपर्टी श्री विक्रम बंकट ठाकुर के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 21.12.2024 सी.नं. 5732/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती करुणा रत्नाकर मठ

आम सूचना

मैं श्रीमती सुरैय्या सलीम सैय्यद सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, शिवाजी रोड, प्रकाश किराणा स्टोर के पास, शहाड फाटक, उल्हासनगर-1. (टैक्स नं. 01एओ013961600) उक्त प्रॉपर्टी श्री धर्मेंद्र राजेंद्र घरत के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 13.12.2024 सी.नं. 5631/2024 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती सुरैय्या सलीम सैय्यद

अल्लू अर्जुन के घर तोड़फोड़

- आरोपी उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट

एक्टर अल्लू अर्जुन के हैदराबाद स्थित घर के बाहर उस्मानिया यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने तोड़फोड़ की है। इस मामले में पुलिस ने 8 लोगों की गिरफ्तारी की है।

ये लोग एक्टर के घर में जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे। जब उन्हें रोका गया तो घर के बाहर रखे गमले तोड़ दिए। मीडिया रिपोर्ट्स में अल्लू अर्जुन के घर टमाटर फेंके जाने की बात भी कही गई है।

स्टूडेंट्स ने पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में मची भगदड़ में मारी गई महिला

के परिवार को 1 करोड़ रुपए का मुआवजा देने की मांग की।

इस घटना के कुछ समय पहले ही अल्लू अर्जुन ने पोस्ट किया था- मैं अपने सभी फैंस से अपील करता हूं कि वे हमेशा की तरह जिम्मेदारी से अपनी भावनाएं व्यक्त करें। ऑनलाइन और ऑफलाइन किसी भी प्रकार की अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल न करें, ना ही किसी से गलत व्यवहार करें।

एक्टर पहले ही मृतक रेवती के परिवार को 25 लाख रुपए देने की बात कह चुके हैं। साथ ही घायलों का इलाज भी अपने खर्च पर करा रहे हैं।

हैदराबाद में 4 दिसंबर को फिल्म पुष्पा-2 की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मचने से एक महिला की मौत हो गई थी, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में पुलिस ने एक्टर अल्लू अर्जुन, थिएटर और सिक्योरिटी एजेंसी पर गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया था।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099